प्यारे बाबा – मीठे बाबा

प्यारे बाबा मीठे बाबा
स्वीकार करे आत्मिक नमन

मात-पिता रूप से ---
अपना मस्तक मणि बनाया मुझे
आँखों का नूर बनाके समाया मुझे
नयन पलकों पर बिठाया मुझे
दिल की गोदी में झुलाया मुझे
ज्ञान लोरी से बहलाया मुझे
मीठे बच्चे कहके बुलाया मुझे
रूसने पर मनाया मुझे

सिवाय आपके कौन देगा
रूहानी पालना इतना मुझे
प्यारे बाबा, ओ मीठे बाबा
अर्पित तुम्हे यह आदर सुमन ...

खुदा-दोस्त रूप से ---
अपना सहयोगी बनाया मुझे
जिस्मानी संबंध जंजाल से निकाला मुझे
ज्ञान की बातों में सदा रमाया मुझे
कठिन समय में सदा साथ दिया मुझे
समस्यायें परिस्थितियों से उबारा मुझे
सच्चे दोस्त का प्यार दिया मुझे

सिवाय आपके कौन देगा
रूहानी साथ इतना मुझे
प्यारे बाबा, ओ मीठे बाबा
अर्पित तुम्हे यह स्नेह सुमन

परम-शिक्षक रूप से ...
गॉडली युनिवर्सिटी में बुलाया मुझे
आत्मा का पहला पाठ पढ़ाया मुझे
रचयिता रचना का ज्ञान सिखाया मुझे
मनुष्य से देवता बनने का लक्ष्य
दिखाया मुझे
श्रीमत की उँगली से सन्मार्ग पर
चलाया मुझे
ज्ञान, योग, दिव्यगुणों से श्रृंगारा मुझे
गलतियाँ होने पर भी सदा पुचकारा मुझे

सिवाय आपके कौन देगा
सत्य ज्ञान इतना मुझे
प्यारे बाबा, ओ मीठे बाबा
अर्पित तुम्हें यह ज्ञान सुमन

परम सद्गुरू रूप से ---
अपना फालोवर बनाया मुझे
वरदानों की माला पहनाया मुझे
मुक्ति-जीवन मुक्ति का मार्ग दिखाया मुझे
दुःख-अशांति की दुनिया से छुड़ाया मुझे
पुराने स्वभाव संस्कारों का परिवर्तन
कराया मुझे
अज्ञान अंधकार से निकाला मुझे

सिवाय आपके कौन देगा
श्रेष्ठ वरदान इतना मुझे
प्यारे बाबा, ओ मीठे बाबा
अर्पित तुम्हें यह श्रद्धा सुमन

प्यारे बाबा - मीठे बाबा

संगम के वस रहे हुए कुछ पल फिर
कहाँ मिलेगा यह रूहानी बाबा
कहाँ मिलेगा यह निःस्वार्थ प्यार
कहाँ मिलेगा यह निरहंकार वाणी
कहाँ मिलेगा यह सत् का संग

सर्व प्राप्तियों का नशा हो रहा मुझे
तो बिछड़ने का गम भी सता रहा मुझे

सिवाय आपके कौन देगा
प्रेम अश्रु इतना मुझे
प्यारे बाबा, ओ मीठे बाबा
अर्पित तुम्हें यह अश्रु सुमन

बी.के अनिल कुमार